अमर उजाला
बरेली
बुधवार, 18 अगस्त 2021
श्रावण शुक्ल-एकादशी
विक्रम संवत-2078

PAGE NO. 02 : MIDDLE

गालिब इन दिल्ली

रिद्धिमा में पुनर्जन्म की कहानी पर आधारित नाटक गालिब इन दिल्ली का मंचन करते कलाकार। (खबर पेज नौ) *अमर उजाला*

PAGE NO. 09 : MIDDLE

मिर्जा गालिब के पुनर्जन्म की कहानी ने दर्शकों को गुदगुदाया

रिद्धिमा में ग़ालिब इन दिल्ली नाटक का मंचन देखते लोग। *अमर उजाला*

रिद्धिमा में दिल्ली के कलाकारों ने किया नाटक 'गालिब इन न्यू दिल्ली' का शानदार मंचन

बरेली। शेर-ओ-शायरी में रुचि रखने वाले मिर्जा गालिब के नाम से सभी खूब परिचित हैं। डेढ़ सौ साल पहले दुनिया-ए-फानी से रुखसत हो चुके मिर्जा गालिब की गजलें, शेर-ओ-शायरी आज भी लोगों के बीच तरोताजा हैं।

उनके पुनर्जन्म की कहानी पर आधारित नाटक 'गालिब इन न्यू दिल्ली' का मंचन मंगलवार को एसआरएमएस के रिद्धिमा ऑडिटोरियम में किया गया। दिल्ली के कलाकारों की इस प्रस्तुति ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया।

कहानी के अनुसार गालिब 1869 में अपने इंतकाल के डेढ़ सौ साल बाद पुनर्जन्म लेते हैं। वह अपने पुश्तैनी शहर दिल्ली पहुंच कर अपने मोहल्ले बल्ली मारान जाना चाहते हैं।

इस यात्रा में उनकी मुलाकात एक पान बेचने वाली महिला से होता है। उनके बीच वार्तालाप में नए जमाने के शब्द और खालिस उर्दू बाधा बनते हैं। मिर्जा को बदली हुई दिल्ली का दीदार होता है। उन्हें दिल्ली में नए रंग ढंग देखने को मिलते हैं। एक पुलिस वाला उनसे आधार कार्ड मांगता है। कार्ड न होने पर उनसे रिश्वत की मांग की जाती है।

मिर्जा के लिए यह नई बात होती है। वहीं डेढ़ सौ साल पहले जिन सड़कों पर रिक्शा, घोड़ा तांगे (इक्का) चलते थे, वहां अब बसें, मेट्रो ट्रेन दौड़ती दिखाई देती हैं। ऑटो रिक्शा और मेट्रो देखते हैं, गालिब को ये अनोखी चीजें लगती हैं।

इस तानेबाने को दिल्ली के मशहूर रंगकर्मी सईद आलम ने अपने शानदार अभिनय में ढालकर हास्य व्यंग के जरिए प्रस्तुत किया। लाइट, वेशभूषा और संगीत के सहारे इसकी प्रस्तुति को खूबसूरत बनाया गया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गुरु मेहरोत्रा, सुभाष मेहरा, डॉ. एसबी गुप्ता, डॉ. नीलिमा मेहरोत्रा, डॉ. अनुज कुमार, आशीष कुमार, निशांत अग्रवाल आदि मौजूद रहे।